तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 16.0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 14 अप्रैल 2026

12 जनगणना-2027: जिले में बनाए 1900 ब्लॉक,150...

12 दीनबंधू सर छोटूराम विवि में राज्यपाल ने किया सम्मानित

खबर संक्षेप

शराब पीकर हुडदंग मचाने वाले 6 पकड़े

रेवाड़ी। पुलिस ने असामाजिक गतिविधियां फैलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीकर माहौल खराब करने के तीन अलग-अलग मामलों में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सचिन कुमार निवासी गांव पुरवाला बिरसनपुर जिला हरिद्वार उत्तराखंड, सुनील कुमार निवासी गांव भोतवास अहीर हाल आबाद मोहल्ला शक्ति नगर, धर्मबीर निवासी गांव काटी जिला महेंद्रगढ़, आदित्य निवासी गांव विजयसिंहपुरा जिला कोटपुतली बहरोड राजस्थान हाल किरायेदार सेक्टर-3, विकास निवासी मोहल्ला विकास नगर कालाका रोड व दिनेश निवासी गांव घनौदा जिला महेन्द्रगढ के रूप में हुई हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना मॉडल टाउन में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। माडल टाउन थाना पुलिस ने गत 11 अप्रैल की रात को सेक्टर-4 की मार्केट के पास शराब के नशे में गाली गलौज व हुडदंग बाजी करने वाले दो आरोपी सचिन कुमार और सुनील कुमार को काबू किया है।

शहरी निकाय चुनाव: रेवाड़ी नप के 32 और धारूहेड़ा नपा के 18 वार्डों की 13 मई को बनेगी छोटी सरकार

रेवाड़ी का अध्यक्ष पद एससी महिला और धारूहेड़ा का चेयरमैन पद सामान्य श्रेणी के लिए आरक्षित

चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 21 अप्रैल से 25 अप्रैल तक जारी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

रेवाड़ी। नगर परिषद रेवाड़ी कार्यालय।

सोमवार को रेवाड़ी नगर परिषद व धारूहेड़ा नगर पालिका के चुनाव को लेकर घोषणा कर दी गई है। नगर परिषद में 32 वार्डों और नगर पालिका धारूहेड़ा में 18 वार्डो के लिए 10 मई को मतदान होगा। चुनाव का रिजल्ट 13 मई को जारी किया जाएगा। चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 21 अप्रैल से 25 अप्रैल तक रहेगी। रेवाड़ी नगर परिषद के लिए चेयरमैन का पद अनुसूचित जाति यानि एससी महिला के लिए आरक्षित रखा गया है, जबकि धारूहेड़ा नगर पालिका में चेयरमैन का पद सामान्य श्रेणी का रहेगा। इससे पहले दिसंबर 2020 में रेवाड़ी नगर परिषद के चेयरमैन पद पर भाजपा से पूनम यादव ने जीत हासिल की थी, वहीं धारुहेड़ा नगर पालिका में निर्दलीय उम्मीदवार कंवर सिंह यादव ने चेयरमैन पद पर कब्जा किया था। चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है और प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि नगर परिषद चुनाव को लेकर 118 मतदान बूथ बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिए हैं।

नप में सात में से पांच बार महिलाएं बनीं अध्यक्ष

नगर परिषद के अब तक बने चेयरमैन में सात बार में से पांच बार महिलाओं का ही रहा है। वर्ष 1995 में सरोज भारद्वाज नगर परिषद की चेयरमैन चुनी गई थीं। वर्ष 2000 में सामान्य सीट पर हरीश अरोड़ा व वर्ष 2005 में विजय राव को चेयरमैन बनने का मौका मिला था। इस नप अध्यक्ष पद एससी महिला के नाम आरक्षित हो चुका है। वही धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन का पद सामान्य रखा गया है।

ये रहेगा चुनावी शेड्यूल

आगामी 15 अप्रैल को चुनाव के लिए नामांकन नोटिस जारी होगा, जिसके बाद उम्मीदवार 21 से 25 अप्रैल तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। 27 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 28 अप्रैल को उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे तथा इसी दिन चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। 10 मई को सुबह 8 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। अगर जरूरत पड़ी तो 12 मई को दोबारा मतदान किया जाएगा। इसके बाद 13 मई को वोटों की मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के लिए चुनावी खर्च की सीमा भी तय की है। नगर परिषद अध्यक्ष के लिए 20 लाख व नगर पालिका अध्यक्ष के लिए 12.5 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है, वहीं नगर परिषद पार्षदों के लिए 4.5 लाख व नगर पालिका सदस्यों के लिए 3 लाख रुपये तय किए गए है।

अनुसूचित जाति के लिए 6 वार्ड आरक्षित

- एससी महिलाओं के लिए दो वार्ड 27 और 30 तथा पुरुषों के लिए चार वार्ड 3, 24, 28 और 32 आरक्षित किए जा चुके है।
- पिछड़ा वर्ग-ए यानि बीसीए के लिए 3 वार्ड आरक्षित
- बीसीए में महिला के लिए एक वार्ड नंबर 13 तथा पुरुषों के लिए दो वार्ड 9 और 16 आरक्षित।
- पिछड़ा वर्ग-बी यानि बीसीबी के लिए 4 वार्ड आरक्षित

बीसीबी में महिलाओं के लिए दो वार्ड 11 और 20 और दो वार्ड पुरुषों के लिए 25 और 26 आरक्षित।

- सामान्य वर्ग के लिए 15 वार्ड आरक्षित
- सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए 6 वार्डों में 2, 5, 8, 15, 21 और 23 और शेष 9 वार्ड सामान्य वर्ग के लिए अनारक्षित रहेंगे।

नगर परिषद का तय किया जा चुका वार्ड आरक्षण

जनवरी माह में निकलने ड्रा में अनुसूचित जाति के लिए 6 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। पिछड़ा वर्ग-ए यानि बीसीए के लिए 3 वार्ड, पिछड़ा वर्ग-बी यानि बीसीबी के लिए 4 वार्ड व सामान्य वर्ग के लिए कुल 15 वार्ड रखे गए हैं, जिनमें से 6 वार्ड सामान्य वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं, जबकि शेष 9 वार्ड सामान्य वर्ग के लिए अनारक्षित रहेंगे।

जल्द बनेंगे मतदान केंद्र

रेवाड़ी नगर परिषद व धारूहेड़ा नगर पालिका के चुनाव को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। चुनाव के लिए वोटर सूचि का प्रकाशन किया जा चुका है। ईवीएम मशीनों की पूरी उपलब्धता है। आगामी दस दिनों में रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त करने के साथ मतदान केंद्र तैयार कर लिए जाएंगे।

-अभिषेक मीणा, डीसी रेवाड़ी।

मसानी बैराज के दूषित पानी की समस्या को लेकर खरखड़ा व डूंगरवास में चला हस्ताक्षर अभियान

- पर्यावरण प्रेमी कमल सिंह यादव के नेतृत्व में गांव खरखड़ा और डूंगरवास में मांगा लोगों समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

रेवाड़ी। हस्ताक्षर अभियान में मौजूद ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

मसानी बैराज की दूषित पानी की समस्या के समाधान और बैराज को वेटलैंड घोषित करने की मांग को लेकर गांवों में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। पर्यावरण प्रेमी कमल सिंह यादव के नेतृत्व में गांव खरखड़ा और डूंगरवास में अभियान चलाया गया। खरखड़ा के सरपंच प्रतिनिधि विकास यादव ने सभी का स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि गांव में पीने लायक पानी नहीं रहा। ट्यूबवेल का पानी भी खराब हो गया ह। दूषित पानी की वजह से गांव में बीमारियां बढ़ रही है। हस्ताक्षर अभियान की अध्यक्षता गांव के सूबेदार नेकीराम ने की। इसके बाद गांव डूंगरवास में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। गांव के सरपंच प्रवीण ने अपने विचार रखें। ग्रामीणों ने सरकार से समस्या का समाधान करने की मांग की। इस मौके पर नवल सिंह, संजय यादव, धर्मपाल, मास्टर विजय सिंह, रामफल, हनीश पंडित, कृष्ण मिस्त्री, इंस्पेक्टर हरपाल व वैभव यादव सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे। कमल सिंह ने बताया कि आगामी हस्ताक्षर अभियान का 14 अप्रैल को गांव भटसाना में सुबह 10 बजे, 19 अप्रैल को सुबह 10 बजे मसानी तथा दोपहर 12 बजे गांव निखरी में चलाया जाएगा।

अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाला आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सीआईए धारूहेड़ा टीम ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव मकडावा निवासी संजीत के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 27 जुलाई को सीआईए धारूहेड़ा को सूचना मिली थी कि प्रदीप कुमार निवासी गांव पहाडवास जिला खैरथल राजस्थान के पास अवैध हथियार है तथा रेवाडी से धारूहेडा रोड पर मसानी अड्डे से पहले शमशान घाट के पास किसी के इंतजार में खड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी की तलाशी लेने पर 1 अवैध देशी पिस्टल बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी प्रदीप कुमार ने बताया कि उसे यह अवैध हथियार राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव मकडावा निवासी संजीत ने उपलब्ध कराया था। पुलिस ने सोमवार को मामले में संलिप्त आरोपी संजीत को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

शिक्षक संघ ने की संशोधित तबादला नीति में 5 अंक देने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

राज्य एवं राष्ट्रीय अवार्डी शिक्षक संघ ने तबादला नीति में उन्हें 5 अंक देने के लिए विभाग को पत्र लिखा है। अवार्डी शिक्षक संघ के राज्य उपप्रधान डा. जितेंद्र भारद्वाज ने बताया कि उच्च न्यायालय के निर्देश पर सरकार की ओर से तबादला नीति में सुधार के लिए बनाई गई समिति को संघ ने राष्ट्रीय एवं राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को अधिमान स्वरूप 5 अंक देने के लिए आग्रह किया है। संघ के राज्य प्रधान एवं नूंह के जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा ने कहा कि हाल ही में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की ओर से प्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गई ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को लागू करने पर न्यायालय में कई विषयों पर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सरकार को तबादला नीति में आवश्यक सुधार कर अगली सुनवाई पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। इस संदर्भ में सरकार ने विचार विमर्श करने के लिए समिति में महानिदेशक माध्यमिक शिक्षा एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव सम्मानित सदस्य हैं। इसलिए पत्र के माध्यम से विभाग से आग्रह किया गया है कि हरियाणा में ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के प्रणेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की देखरेख में बनी नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों व प्रकल्पों को केंद्र में रखकर राज्य की पहली तबादला नीति में राज्य एवं राष्ट्रीय अवार्डी शिक्षकों को 5 अंक दिए गए थे।

सरकार पर अनदेखी का लगाया आरोप

संशोधित नई तबादला नीति में राज्य तथा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से अलंकृत शिक्षकों को अनदेखी दूर करते हुए ट्रांसफर पॉलिसी में उक्त पांच अंक देने का प्रावधान अवश्य करें। उन्होंने बताया कि तबादला नीति में विचारणीय पहलू यह है कि जब इस नई पॉलिसी में दंड स्वरूप अंक काटे जाने का प्रावधान लागू किया गया, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर अलंकृत शिक्षकों की अनदेखी की गई।

-राजेंद्र शर्मा,संघ के राज्य प्रधान

दो बाइक सवार महिला के गले से सोने की चेन छीनकर फरार

रेवाड़ी। बाइक सवार दो नकाबपोश युवक सेक्टर-3 में महिला के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए। महिला गांव ढालियावास से पैदल दूध लेकर आ रही थी, जब वह अपने घर के पास पहुंची, तो अचानक बाइक पर दो युवक आ गए और महिला के गले से चेन झपट ली। ये घटना पास में लगे सीसीटीवी में भी कैद हो गई। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। राजस्थान के कोटपुतली जिले के गांव मांढ़न व वर्तमान में सेक्टर-3 में किराए पर रहने वाली रेनू कुमारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है तथा वह बच्चों के साथ सेक्टर-3 में रहती है। रविवार देर शाम वह रोजाना की तरह गांव ढ़ालियावास में दूध लेने गई थी।

जमानोत्तर अपराधी को पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

धारूहेड़ा थाने में आरोपी युनुस निवासी गांव सालाका जिला नूंह को अदालत की ओर से जमानत पर छोड़ा गया था और आगामी तारीख निश्चित करते हुए न्यायालय में पेश होने के आदेश दिए गए थे, किन्तु आरोपी तय की गई पेशियों पर अदालत के सम्मुख पेश नहीं हुआ। अदालत के आदेशों की अवहेलना करने पर आरोपी युनुस को जमानोत्तर अपराधी घोषित किया गया था। सोमवार को थाना धारूहेड़ा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके अदालत के सम्मुख पेश किया है।

डीसी ने समाधान शिविर में समस्याओं को निपटाया

किसी ने जलभराव तो किसी ने चौपाल पर अवैध कब्जा करने की दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭| रेवाड़ी

रेवाड़ी। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते हुए डीसी अभिषेक मीणा

डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में लोगों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को अविलंब निवारण करने के निर्देश दिए। डीसी ने लिसाना गांव में पीने के पानी न आने की शिकायत पर जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सप्लाई कराने के निर्देश दिए। गांव खेड़ा आलमपुर में घर के बाहर पानी भरा होने की शिकायत पर डीडीपीओ को जल निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। गांव गोठड़ा टप्पा डहीना में चौपाल से अवैध कब्जे हटवाने के निर्देश दिए। गांव करावरा मानकपुर के स्कूल द्वारा विद्यार्थी के टीसी न देने की शिकायत का भी समाधान किया। इसके अलावा समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, पेंशन, बिजली व पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिन पर डीसी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शीघ्र निपटान करने के निर्देश दिए।

रंगों-रेखाओं से खिलता है बचपन

स्पेशल : वर्ल्ड आर्ट-डे, 15 अप्रैल

अगर बच्चे रेखाओं के माध्यम से कोई आकृति बनाते हैं, उसमें रंग भरते हैं, मनमोहक चित्र सृजित करते हैं या कोई सुंदर-सा क्राफ्ट वर्क करते हैं तो उन्हें रोकें-टोकें नहीं, बच्चे को प्रोत्साहित करें। यह उनकी ऐसी अभिव्यक्ति है, जिससे बच्चों की रचनात्मकता तो बढ़ती ही है, उनका व्यक्तित्व भी निखरता-खिलता है।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ बरसों में बचपन के बहुत से रंग पढ़ाई के बोझ तले दबते जा रहे हैं। जबकि एकेडेमिक फ्रंट पर अच्छा परफॉर्म करने के साथ ही, बालमन के अहसासों की अभिव्यक्ति भी बहुत जरूरी है। समझना मुश्किल नहीं कि एक्सप्रेसिव होने के लिए कोई न कोई माध्यम चाहिए। आर्ट एंड क्राफ्ट बच्चों के मनोरंजन, मनोभावों के एक्सप्रेशन का एक अच्छा माध्यम है, साथ ही यह बच्चों को वर्चुअल दुनिया से दूर करके उन्हें रचनात्मक बनाकर सकारात्मक तरीके से व्यस्त रखने का एक सुंदर तरीका है। इसीलिए उम्र के एक पड़ाव पर बच्चों का सहज रूप से कोई ना कोई कलात्मक एक्टिविटीज करना जरूरी है। पैरेंट्स को भी बच्चों को आर्ट की दुनिया से जोड़कर रखने का प्रयास करना चाहिए। इससे बच्चे का व्यक्तित्व संवरता और निखरता है।

कला से अभिव्यक्त होते एहसास

रंग, रेखाएं, आकार, कोई खास स्टाइल, बालमन में बसी कोई बनावट, ये सब मात्र कागज पर रंगीन कलम-पेंसिल से की गई कलात्मकता भर नहीं हैं। असल में देखा जाए तो यह बच्चों के मन की शब्दावली है। उनके भावों की अभिव्यक्ति है। बच्चों द्वारा उकेरी गई कोई भी कलाकृति उनके दुनिया को देखने के नजरिए को दर्शाती है। जिन भावनाओं और कल्पनाओं को शब्द नहीं दिए जा सकते, आर्ट एंड क्राफ्ट के जरिए बच्चे उन्हें रचनात्मक ढंग से एक्स्प्रेस कर सकते हैं। इससे बच्चे को कुछ नया भी एक्सप्लोर करने का अवसर मिलता है। अपनी सोच के मुताबिक वे कुछ विशेष रचते हैं। बच्चे लीक से हटकर सोचने और उसे धरातल पर उतारने की सोच से जुड़ते हैं। उनके मोटर स्किल्स निखरते हैं। यही वजह है कि आर्ट के माध्यम से अभिव्यक्त होते एहसास केवल मासूमियत के रंग भर नहीं होते, ये रंग और रेखाएं बच्चों की सोच-समझ को दिशा भी देते हैं।

बच्चों की मनःस्थिति को समझें

अच्छे स्वास्थ्य और सकारात्मक व्यस्तता के लिए बहुत आवश्यक है कि बच्चे कुछ समय रंगों और रेखाओं की दुनिया में भी बिताएं। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेंटिंग-ड्राइंग बच्चों के लिए अपनी खुशी, भय, गुस्से या किसी तरह की शिकायत को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का माध्यम भी होते हैं। बच्चों की कलाकारी के मासूम रंग कई बार उनकी बिखरती मनःस्थिति से भी मिलवाते हैं। कुछ समय पहले नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स द्वारा यौन हिंसा के शिकार बच्चों का पता लगाने के लिए एक नई पहल भी यही बात कहती है। बाल आयोग के मुताबिक बच्चों के सेक्सुअल हेरेसमेंट का पता लगाने के लिए आर्ट सबसे बेहतरीन माध्यम है। ड्राइंग या पेंटिंग के जरिए न केवल बच्चे खुलकर अपनी बात कह पाते हैं बल्कि उनके दर्द को समझा भी जा सकता है। आमतौर पर शोषण के शिकार बच्चे अपनी बात कहने में डरते हैं। किसी के आगे अपना मन नहीं खोलते। यही वजह है कि आयोग द्वारा 'असेसमेंट ऑफ चाइल्ड सेक्सुअल वॉयलेंस विथ द हेल्प ऑफ ड्राइंग' के लिए ड्राफ्ट रिपोर्ट भी जारी की गई। इस रिपोर्ट को एम्स के डिपार्टमेंट ऑफ साइकिएट्री की मदद से बनाया गया है, रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्राइंग, बच्चों से बातचीत शुरू करने का सही माध्यम है। जरूरी है पैरेंट्स भी बच्चों की कलात्मकता में छिपे मनोभावों को समझें। यह उनकी सुरक्षा से जुड़ा पहलू तो है ही, उनके मन को समझने का एक प्यारा-सा जरिया भी है।

बच्चे की रुचि-रुझान को जानें-समझें

पैरेंट्स को इस क्षेत्र में अपने बच्चों के रुचि-रुझान को गंभीरता से देखने-समझने का भी प्रयास करना चाहिए। सचमुच दिलचस्पी हो तो बचपन में भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम बनी आर्ट, आगे चलकर बच्चे को आर्ट की दुनिया में अपना भविष्य बनाने की राह बना सकते हैं। इसीलिए बच्चों के आर्ट-क्राफ्ट से जुड़े कामों की प्रशंसा अवश्य करें। स्केचिंग, पेंटिंग, स्कल्प्चर मेकिंग या क्ले, ये सब जब बच्चे मन से करें तो उनकी रुचि को देखते हुए इससे जुड़े सामान लाकर देकर उन्हें प्रोत्साहित करें। अपने परिवार में उनकी रुचि की चर्चा कर प्रेरणादायी परिवेश बनाएं। बचपन की रंगीन यादों को सहेजने के लिए उनके बनाए आर्ट वर्क को फ्रेम करवाकर घर में लगाएं। बच्चों के कमरे की सजावट के लिए उनके ही बनाए चित्र लगाना भी एक अच्छी पहल होगी। जरूरी यह भी है कि पैरेंट्स उनके क्रिएटिव एक्सप्रेशन की उपेक्षा करने के बजाय, इससे जुड़ी जानकारियां उनसे साझा करें। आज की वर्चुअल व्यस्तता में बच्चों को आर्ट एग्जीबिशन में ले जाने जैसी एक्टिविटी बच्चों की रुचि को समझने में हेल्प करेगी। साथ ही पार्क, चिड़ियाघर, प्राकृतिक स्थल और म्यूजियम जैसी जगहों पर भी बच्चे बहुत मन से चीजें देखते हैं। ज्यादातर बच्चे जानवरों और मौसम के रंगों को देखते हैं। इन्हें वे अपनी आर्ट में ढालने में भी रुचि लेते हैं।

तारीफ करना भी एक कला है

अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसकी तारीफ हमें जरूर करनी चाहिए, इसका इंसान पर बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन यह तभी संभव है, जब हम तारीफ सही ढंग से करेंगे। तारीफ कैसे की जाए, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

सलीका
शिखर चंद जैन

तारीफ करना वैसे तो एक सामान्य-सी आदत है, लेकिन इसका सही समय पर ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो यह सामने वाले का आत्मविश्वास बढ़ा सकती है, रिश्ते मजबूत कर सकती है। इतना ही नहीं तारीफ वर्किंग प्लेस की प्रोडक्टिविटी में भी इजाफा कर सकती है। डेल कार्नेगी से लेकर रॉबर्ट सियाल्डिनी जैसे दिग्गजों ने अपनी बेस्टसेलर किताबों में तारीफ को रिश्ते मजबूत करने का सबसे कारगर तरीका बताया है। लेकिन इसमें बनावट, व्यंग्य या चापलूसी दिखाई दे तो इसका असर उल्टा भी हो सकता है। इसलिए तारीफ करना एक कला ही नहीं, मनोविज्ञान भी है।

तारीफ का मनोवैज्ञानिक प्रभाव: तारीफ इंसानी स्वभाव से जुड़ी एक बुनियादी जरूरत को पूरा करती है। यह जेनुइन रिकगनिशन यानी ईमानदार मान्यता है। इस पर पारस्परिकता का नियम यानी लॉ ऑफ रेसीप्रोसिटी भी लागू होता है। सोशल साइकोलॉजिस्ट रॉबर्ट सियाल्डिनी के अनुसार, 'जब आप किसी की तारीफ करते हैं, तो वह मनोवैज्ञानिक रूप से आपका साथ देने या आपको पसंद करने के लिए बाध्य महसूस करता है। तारीफ केवल शब्द नहीं है, सामने वाले के अस्तित्व को दी गई एक मान्यता है। हर इंसान को तारीफ की जरूरत होती है। अब्राहम मेस्लो का 'हायरार्की ऑफ नीड्स' सिद्धांत कहता है कि जब किसी को ईमानदारी से सराहा जाता है तो उसके अंदर 'सेल्फ-वैल्यू' की भावना उत्पन्न होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और प्रेरणा के लिए आवश्यक है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि अगर आप किसी की तारीफ कर रही हैं या तारीफ करना चाहती हैं तो इसके कुछ वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं को अवश्य ध्यान में रखें।

स्पेसिफिक तारीफ करें: किसी की तारीफ जनरेलाइज के बजाय स्पेसिफिक रहकर करें। 'आप अच्छा काम करते हैं' के बजाय इस तरह से कहकर तारीफ करें 'आपने रिपोर्ट में जो डेटा विजुअल्स डाले, वे वास्तव में बेहद असरदार थे।' ऐसा कहने का ज्यादा प्रभाव होगा।

प्रयासों की सराहना करें: माइंडसेट पुस्तक के लेखक कैरल ड्वेक के अनुसार, 'किसी की बुद्धि के बजाय उसके कठिन परिश्रम की तारीफ करने से वह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।'

सही मौके पर करें तारीफ: तारीफ का प्रभाव तब ज्यादा होता है, जब वह किसी कार्य या घटना के तुरंत बाद की जाती है। देरी से की गई तारीफ का प्रभाव कम हो जाता है, भले ही वह कितनी भी ईमानदारी से क्यों न की गई हो।

पीठ पीछे भी करें तारीफ: जब आप किसी की अनुपस्थिति में उसकी सराहना करती हैं, तो जब वह बात उस तक पहुंचती है, उसका मूल्य दोगुना हो जाता है। इसके लिए आपको ऐसे लोगों के बीच तारीफ करनी होगी, जो उसके संपर्क में रहते हैं।

बॉडी लैंग्वेज का रखें ध्यान: तारीफ में बॉडी लैंग्वेज काफी महत्वपूर्ण होती है। आंखों में देखना, मुस्कुराना और सौम्य स्वर में प्रशंसा करने से सामने वाले को वास्तविकता का बोध होता है। यह तारीफ को प्रभावशाली बनाता है।

पब्लिक में प्रशंसा: सबके सामने की गई तारीफ व्यक्ति के सामाजिक सम्मान को बढ़ाती है, उसे आपके प्रति वफादार बनाती है।

तारीफ करने-सुनने के फायदे

प्रोडक्टिविटी में इजाफा: गैलप के एक सर्वे के मुताबिक जिन कर्मचारियों को नियमित प्रशंसा मिलती है, वे 21 फीसदी अधिक प्रोडक्टिव होते हैं। वहीं हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अध्ययन के अनुसार सराहना पाने वाले कर्मचारियों में क्रिएटिविटी, टीमवर्क और एंप्लॉई सेटिस्फेक्शन का स्तर अधिक पाया गया।

तनाव-अवसाद में कमी: यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया की एक स्टडी में पाया गया कि प्रशंसा से एंग्जायटी और डिप्रेशन के स्तर में कमी आती है।

रिश्तों में मिलती है मजबूती: इंटरनेशनल सोशल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार तारीफ से पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में भरोसा और अपनापन बढ़ता है। जॉन गॉटमैन इंस्टीट्यूट की स्टडी कहती है कि ईमानदार प्रशंसा एक मजबूत भावनात्मक बैंक बैलेंस बनाने में मदद करती है, जिससे टकराव के समय भी रिश्तों में मजबूती बनी रहती है।

डोपामाइन का संचार: जब हमारी तारीफ होती है, तो मस्तिष्क में 'डोपामाइन' नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो हमें खुशी और संतुष्टि का अहसास कराता है। यह वही रिवॉर्ड सिस्टम है, जो खुशी प्रदान करती है।

सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बैसाखी का पर्व

बैसाखी एक ऐसा सांस्कृतिक पर्व है, जिसे पूरे देश में अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इस पर्व को नववर्ष के रूप में मनाते हैं तो कहीं फसल तैयार होने के उल्लास के रूप में। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं, धार्मिक आस्था और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश भी देता है।

सांस्कृतिक पर्व
आर. सी. शर्मा

भारतीय समाज की संरचना जितनी मिश्रित है, उतनी ही खूबसूरत भी है। यहां धर्म, संस्कृति, भाषा और जीवनशैली की विविधताएं मिलकर एक अद्भुत ताना-बाना रचती हैं और इसी ताने-बाने को मजबूती देने में त्योहारों की इंद्रधनुषी भूमिका होती है। बैसाखी का पर्व मुख्य तौर पर सिख धर्म से जुड़ा है। 13 अप्रैल 1699 को इसी बैसाखी के दिन ही खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोविंद सिंह द्वारा की गई थी। इसलिए यह दिन सिखों के लिए बहुत महत्वपूर्ण और आत्म-गौरव का प्रतीक पर्व माना जाता है। इसे कई अन्य प्रदेशों में भी मनाया जाता है।

कई रूपों में मनाते हैं पर्व: बैसाखी के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक रूपों में नववर्ष का उल्लास देखने को मिलता है। इसी दिन पश्चिम बंगाल में पोइला बोइशाख यानी बंगाली नववर्ष भी मनाते हैं। इस दिन वहां सांस्कृतिक जुलूस, गीत, संगीत के आयोजन होते हैं। पारंपरिक नए परिधानों में सजे लोग पोइला बोइशाख धूमधाम से मनाते हैं। बंगाल में यह दिन व्यापारियों के लिए नया खाता खोलने का दिन भी माना जाता है। केरल और असम में भी क्रमशः विशु और बोहाग बिहू जैसे रंग-बिरंगे त्योहारों की छटा इसी अवसर पर बिखरती है। केरल में विशु पर्व, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक माना जाता है। बोहाग बिहू, असम का सबसे बड़ा पर्व खेती और नववर्ष दोनों का साझा उत्सव होता है, जिसमें लोकगीत और लोकनृत्यों की धूम होती है। बैसाखी के दिन जहां पंजाब, हरियाणा और समूचे उत्तर भारत में गुरुद्वारों में कीर्तन, लंगर का आयोजन होता है, वहीं तमिलनाडु में इस दिन पुथांडु यानी तमिल नववर्ष मनाया जाता है। इस तरह यह पर्व पूरे देश में विभिन्न रूपों में मनाते हैं।

असम में मनाते हैं बोहाग बिहू

सिखों के लिए विशेष महत्व: निःसंदेह त्योहारों की इस इंद्रधनुषी छटा में बैसाखी का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय है। खालसा पंथ की स्थापना से जुड़ी ऐतिहासिक घटना, सिर्फ धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि भारत की सामाजिक क्रांति का प्रतीक भी है। खालसा पंथ की स्थापना ने सिख समुदाय को एक नई और विशिष्ट पहचान दी। खालसा पंथ की स्थापना ने दरअसल, सिख समुदाय को एक नई पहचान, अनुशासन और साहस का प्रदान किया जाना था। इस दिन देशभर के गुरुद्वारों में विशेष शबद, कीर्तन और प्रभात फेरियां आयोजित होती हैं। इस दिन भव्य लंगर का भी आयोजन होता है।

किसानों के उल्लास का प्रतीक: भले ही बैसाखी के पर्व को अलग-अलग रूपों में देश भर में मनाया जाता है। लेकिन कहीं न कहीं ये सारे नववर्षीय पर्व भारत की कृषि प्रधानता को भी रेखांकित करते हैं। उत्तर भारत में यह रबी की फसल की कटाई का समय होता है। किसानों के लिए केवल फसल काटने के लिए ही नहीं बल्कि मेहनत का फल मिलने का भी क्षण होता है। इस तरह बैसाखी किसानों की इस खुशी का उल्लास बन जाती है।

आपसी जुड़ाव का पर्व: पंजाब और हरियाणा में बैसाखी के अवसर पर खेतों में भांगड़ा और गिद्दा जैसे लोकनृत्य किए जाते हैं। यह केवल मनोरंजन नहीं बल्कि ईश्वर के प्रति सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी होता है। बैसाखी भारतीय समाज की विविधता में एकता का प्रतीक पर्व है।

स्किन टैनिंग से होगा बचाव अपनाएं ये सरल-कारगर उपाय

स्किन केयर
नैंसी गुप्ता

गर्मी का मौसम आते ही दिन के समय बाहर निकलने पर तेज धूप और यूवी किरणें हमारी त्वचा पर असर डालने लगती हैं। इन दिनों स्किन टैन होना एक आम समस्या बन जाती है, जिससे त्वचा का रंग अनईवन या डार्क नजर आने लगता है। इनसे बचने के लिए लोग ब्यूटी प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं। लेकिन आप चाहें तो कुछ सरल प्राकृतिक उपायों को आजमा सकती हैं। इससे भी स्किन टैनिंग की समस्या दूर हो जाएगी।

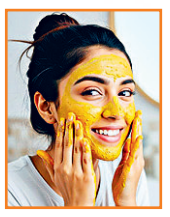

दही-बेसन का पैक: दही और बेसन का मिश्रण, त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड, टैनिंग को हल्का करने में मदद करता है, जबकि बेसन स्किन को क्लीन और एक्सफोलिएट करता है। इस पैक को हफ्ते में 2-3 बार लगाने से त्वचा में निखार आता है।

नीबू-शहद का पैक: नीबू में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो टैनिंग को हल्का करने में सहायक होती हैं। शहद, त्वचा को मॉयश्चराइज करता है। इन दोनों को मिलाकर लगाने से स्किन क्लीन और ग्लोइंग बनती है। लेकिन ध्यान रखें कि इसे स्किन पर लगाने के बाद धूप में जाने से बचना चाहिए।

एलोवेरा से मिले स्किन को ठंडक: एलोवेरा, गर्मियों में न सिर्फ स्किन को ठंडक देता है, बल्कि टैनिंग को कम करने में भी मदद करता है। ताजे एलोवेरा जैल को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट बाद साफ पानी से धोने से स्किन फ्रेश हो जाती है।

खीरा-गुलाब जल का टोनर: खीरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग को भी कम करता है। यही गुण गुलाब जल में होता है। खीरे के रस में गुलाब जल को अच्छी तरह मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन को ताजगी मिलती है।

ठंडे दूध से मसाज: कच्चा, ठंडा दूध स्किन को क्लीन करने का बेहतरीन तरीका है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और टैनिंग को धीरे-धीरे कम करते हैं।

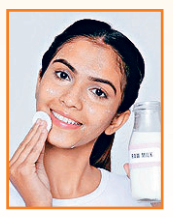

अच्छा क्लींजर है नारियल पानी: नारियल पानी स्किन को अंदर से साफ करने में मदद करता है। इसे चेहरे पर लगाने से टैनिंग धीरे-धीरे कम होने लगती है।

टमाटर का रस है इफेक्टिव: टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो टैनिंग को कम करने में मदद करते हैं। आप चाहें तो टमाटर के रस को सीधे स्किन पर लगा सकती हैं। इसका रेग्युलर इस्तेमाल करने से स्किन ब्राइट होती है और सन रेज से होने वाला स्किन डैमेज कम होता है।

(स्किन केयर एक्सपर्ट निर्मल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेबी प्लानिंग से पहले कई लेवल पर करें तैयारी

अगर आप बेबी प्लान कर रही हैं तो आपको अपनी और आने वाले बच्चे की हेल्थ से जुड़ी कुछ तैयारियां कर लेनी चाहिए। कौन सी हैं वो तैयारियां, जानिए।

प्रिकॉशन
चेतना झा

घर के आंगन में किलकारी गूंजे, यह ख्वाहिश हर शादी-शुदा जोड़े की होती है। आप भी इस मोड़ पर पहुंची हैं, जहां बाहों में नन्हे-मुन्ने को समेटने को मन मचल रहा है तो कुछ तैयारियां करने का समय आ गया है। ये तैयारियां कई स्तर की हैं। कुछ शरीर के स्तर पर तो कुछ मन के स्तर पर। कुछ करियर के मसले हैं तो कुछ पारिवारिक। इन सभी के बारे में यहां आपको बता रहे हैं।

तनाव की छुट्टी: अब जब आपने मां बनने का निर्णय लिया है तो सबसे पहले तनाव को गुड बाय कहिए। तनाव दरअसल, बर्थ कंट्रोल की गोलियों की तरह ही काम करता है। जाहिर है, मां बनना चाहती हैं, तो इसे छोड़ना होगा। इससे बचने के लिए पहचानिए क्या हैं आपके तनाव के खास कारण। यदि पैसों के मामले में जीवनसाथी से झगड़े होते हैं तो बेहतर है कि पहले काउंसलर या फाइनेंशियल प्लानर से बात कर समस्या को जड़ से दूर करें। कोलाहल भरे रास्ते से आना-जाना मजबूरी हो तो क्यों ना कोई ऐसा वैकल्पिक रास्ता ढूंढें जो भले थोड़ी अधिक दूरी का हो, पर सुकून भरा हो।

दवाओं पर दें ध्यान: बेबी प्लानिंग के साथ आप जब डॉक्टर से मिलेंगी तो वे आपको कुछ खास दवाएं लेने को कह सकती हैं। आपकी खुराक में पर्याप्त फोलिक एसिड, आयरन, कैल्शियम और विटामिंस होने चाहिए। फोलिक एसिड बच्चे को जन्मजात विकृतियों से बचाने में मददगार होता है। वहीं कैल्शियम सप्लीमेंट्स, आपकी हड्डियों और आपके दांतों की मजबूती के लिए जरूरी हैं।

न्यूट्रिशस डाइट: खाने में दूध और दूध से बने पदार्थ जैसे खोया, पनीर, छेना आदि शामिल करना चाहिए। मौसमी सब्जियां और फल जैसे गाजर, टमाटर, सेब, केला, नारंगी आपको अपनी डेली डाइट में शामिल करना जरूरी है। ये फल आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन-ए, विटामिन-सी आदि के अच्छे स्रोत होते हैं। नॉनवेज खाती हैं तो हफ्ते में एक बार मछली, चिकन आदि खा सकती हैं। अंकुरित चना, मूंग में विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में होता है। जिन्हें मां बनने में दिक्कत आ रही है, वे महिलाएं इसका सेवन जरूर करें। थोड़ी मात्रा में सूखे मेवे भी नियमित खाएं।

रेग्युलर चेकअप: बेबी प्लानिंग से पहले और शुरुआती महीनों में आरएच टाइपिंग, ब्लड ग्रुपिंग, वीडीआरएल, एचआईवी, आस्ट्रेलियन एंटीजेन, ब्लड शुगर, टीसी, डीसी, ईएसआर, हीमोग्लोबिन, थायरॉइड हार्मोंस जैसे- टी थ्री, टी फोर और टीएसएच, सीरम एफएसएच, एलएच, प्रोलेक्टिन, यूरिन कल्चर टेस्ट आदि जरूरत के मुताबिक डॉक्टर कराते हैं। प्रेग्नेंसी प्लान से पहले पति के स्पर्म की भी जांच कराते हैं। डॉक्टर पहले ही आश्वस्त हो जाते हैं कि संभावित गर्भ में थैलिसिमिया जैसी जेनेटिक बीमारियां नहीं हो। डॉक्टर की राय के अनुसार ये टेस्ट कराने में लापवाही न बरतें। ऐसा करना आपकी और होने वाले बच्चे की हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है।

(स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी लाल से बातचीत पर आधारित)

समय का सदुपयोग करें, लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम करना जरूरी

विपरीत हालात में भी सफलता की राह आसान बनाती है शिक्षा

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को संबोधित करते एसडीएम विजय कुमार। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को डिजिटल युग में अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

राजकीय महाविद्यालय कोसली में सोमवार को डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रोफेसर डा. लाज कौशल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें यह सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियां भी सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं, यदि व्यक्ति में दृढ़ संकल्प और शिक्षा के प्रति समर्पण हो। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और समाज में सम्मान दिलाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने, लक्ष्य निर्धारित करने तथा निरंतर परिश्रम करने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को डिजिटल युग में अनुशासन और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। संयोजक डा. सुनील कुमार, सह संयोजक डा. संध्या, मंजीत सिंह, जतिन यादव तथा छात्रा निधि ने बाबा साहेब के जीवन, उनके विचारों एवं समाज के प्रति उनके योगदान की चर्चा की। प्राचार्या ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नागेश, ओम प्रकाश, संजीव कुमार, प्रीति, प्रीतम गौतम, संदीप, त्रिदेव, साहिल यादव, प्रवीण दलाल, अंजली यादव, शशि, प्रतिभा चौधरी, जसवंत जाखड़, रेनू यादव, नीलम यादव, सविता व डा. मोनिया उपस्थित थे।

आईजीयू में कंप्यूटर के प्रयोग पर कार्यशाला का आयोजन

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की हिंदी विभागाध्यक्ष डा. मंजु पुरी की अध्यक्षता और प्रोफेसर सतेन्द्र बल निदेशक यूसीसी के निर्देशन में एमए हिंदी और पीएचडी के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यूसीसी लैब में 5 दिवसीय कंप्यूटर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल उपकरणों एवं तकनीकों से परिचित कराने के साथ-साथ उनके व्यावहारिक उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रथम दिन कंप्यूटर का परिचय एवं उसकी मूलभूत संरचना से अवगत कराया गया। द्वितीय दिवस पर माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। तृतीय दिवस पर पावर पॉइंट प्रस्तुति निर्माण की तकनीक सिखाई गई। चतुर्थ दिवस पर पोस्टर निर्माण एवं ग्राफिक्स के उपयोग का अभ्यास कराया गया। कार्यशाला के समापन पर विद्यार्थियों की ओर से प्रायोगिक प्रस्तुति दी गई तथा कार्यशाला का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने पीपीटी एवं पोस्टर निर्माण में अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका डा. शकुंतला ने प्रोफेसर सतेन्द्र बल तथा कंप्यूटर विभाग के शोधार्थी रवि और दीपक को पौधा देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के सभी अध्यापक, शोधार्थी, व विद्यार्थी उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यशाला में अतिथियों का सम्मान करते हुए। फोटो: हरिभूमि

रेवाड़ी। प्रतिभागी छात्राओं को सम्मानित करते डा. अनिल व स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

महिलाओं को मिलेगी उचित भागीदारी तो भारत के विकास की राह होगी आसान

■ भगत फूल सिंह महिला विवि में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के क्रियान्वयन पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर में सोमवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के त्वरित क्रियान्वयन पर विमर्श कार्यक्रम का आयोजन वूमेन सैल की संयोजक डा.अनीता देवी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में लैंगिक अंतर से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करना तथा प्रतिभागियों को अपने विचार व्यक्त करने हेतु मंच प्रदान करना था।

कार्यक्रम में किसमत, गुलशन, मनीषा, प्रिया, आरती, टीना, मिनाक्षी व अदिति सहित 24 छात्राओं द्वारा नीति निर्माण एवं विधायिकाओं में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व के सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवरोध, संरचनात्मक एवं संस्थागत अवरोध, राजनीति एवं प्रशासन में महिलाएं, राजनीति एवं प्रशासन में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व की चुनौतियां एवं प्रभाव और विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चा की गई। निदेशक डा. यशपाल शर्मा व डा. अनिल कुमार ने कहा कि राजनीति और प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती हैं तो विकसित भारत के निर्माण का मार्ग भी तैयार हो जाता हैं। कार्यक्रम का संचालन सुहानी व दीक्षिता ने किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डा. सोनिया यादव, नीलम यादव, डा. सुनिता यादव, डा. योगेन्द्र सिंह, नीलम यादव, डा. प्रवेश भारद्वाज, डा. अंजलि यादव, डा. सोनिया यादव, डा. अंजलि पांचाल, डा. प्रदीप शर्मा, अंजू, मधु बाला व सुशीला उपस्थित रहीं।

महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री मोदी का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सोमवार को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का लाइव प्रसारण देखा गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष वंदना पोपली व अनेक महिला कार्यकर्ता मौजूद रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इस अवसर पर महिला कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में महिलाओं को स्वयं निर्णय लेने की शक्ति मिली है और समाज में उनकी भागीदारी पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और नीतियों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इस अवसर पर विनीता पीपल कार्यकारी जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा, नीतू चौधरी प्रदेश महिला मोर्चा उपाध्यक्ष, शारदा यादव ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष, सुमन चौहान जिला उपाध्यक्ष, कविता गुप्ता जिला सचिव, अन्नू बहल, कृपा जैमिनी, कुसुमलता, नेहा शर्मा, प्रमिला भार्गव, रजनी भारद्वाज, अंजली शर्मा, जयमाला कौशिक, आशा मखीजा, कुमारी गीता, दीपा भारद्वाज व राजेश रानी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

रेवाड़ी। नारी वंदन कार्यक्रम देखते हुए महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा ने किया डा. जय भगवान की दो पुस्तकों का विमोचन

कोसली। शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा ने सोमवार को अपने चंडीगढ़ स्थित आवास पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री बाबू वीर कुमार यादव की उपस्थिति में खालेटा गांव निवासी डा. जय भगवान द्वारा रचित दो पुस्तकों का विमोचन किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह, कोसली के अधिवक्ता रमेश शर्मा व विनोद कुमार उपस्थित थे। शिक्षा मंत्री ने डा. जय भगवान को उनके आगामी साहित्यिक सफर के लिए शुभकामनाएं दी।

रेवाड़ी। डा. जयभगवान की पुस्तकों का विमोचन करते शिक्षा मंत्री।

रेवाड़ी व कोसली मंडी में खरीदा 7700 क्विंटल गेहूं, सरसों की प्राइवेट बिक्री

रेवाड़ी। कोसली मंडी में लगा गेहूं का अंबार। फोटो: हरिभूमि

■ मंडी में अब तक 278672 क्विंटल गेंहू की आवक हो चुकी, 5807 गेट पास जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/ कोसली

कोसली अनाज मंडी में गेहूं की भारी आवक हो रही है। सोमवार को 2450 क्विंटल गेंहू के 85 गेट पास जारी किए गए। मार्केट कमेटी के सचिव विकास कुमार ने बताया कि मंडी में अब तक 278672 क्विंटल गेंहू की आवक हो चुकी है तथा कुल 5807 गेट पास जारी किए जा चुके हैं। वेयरहाउस के खरीद अधिकारी जगदीश बांगड़ ने बताया कि कोसली मंडी में शाम तक 131179 क्विंटल गेंहू की खरीद हो चुकी है। मंडी में शाम तक 3500 क्विंटल गेहूं की सरकारी खरीद की गई। मंडी से गेहूं के 141418 कट्टों यानि 7070 क्विंटल का उठान हो चुका है। उठान के अतिरिक्त दो लाख क्विंटल से ज्यादा गेंहू अभी खुले में पड़ा हुआ है। सोमवार को मंडी में गेहूं की आवक भी धीमी रही। सरसों की अभी तक आठ हजार क्विंटल आवक हुई है। वहीं रेवाड़ी अनाजमंडी में सोमवार को गेहूं की रफ्तार तेजी रही। सरसों की लगातार बंपर आवक आ रही है। अब तक करीब 2 लाख क्विंटल सरसों पहुंच चुकी है। सरसों की खरीद प्राइवेट में 6000 से 6900 रुपये क्विंटल के हिसाब से की जा रही है। सोमवार को खरीद एजेंसी हैफेड की ओर से 108 किसानों से 4200 क्विंटल गेहूं खरीदा गया।

गुवानी के रोहित का असिस्टेंट कमिश्नर पद पर चयन

मंडी अटेली। गांव गुवानी निवासी रोहित पुत्र सत्यप्रकाश का ऑल इंडिया सीजीएल परीक्षा में 750वीं रैंक हासिल कर असिस्टेंट

कमिश्नर पद पर चयन होने से पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। रोहित की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। सफलता की खबर मिलते ही ग्रामीणों रिश्तेदारों और परिचितों ने उन्हें बधाइयां देना शुरू कर दिया। वहीं रोहित के दादा दयाराम भी भारतीय सेवा से सेवानिवृत्त हैं जिससे परिवार में पहले से ही सेवा भावना और अनुशासन का वातावरण रहा है। इसी प्रेरणा से रोहित ने कड़ी मेहनत और लगन के साथ यह मुकाम हासिल किया।

सीजेएम ने लीगल केयर एवं सपोर्ट सेंटर्स का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने विभिन्न गांवों का दौरा कर वहां संचालित लीगल केयर एवं सपोर्ट सेंटर्स का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं और आमजन को दी जा रही कानूनी सहायता की समीक्षा की। सीजेएम नीलम कुमारी ने छिलरो में स्थित महिला संस्कृति केंद्र व खोड के पंचायत घर में चल रहे लीगल केयर एवं सपोर्ट सेंटर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां रिकॉर्ड की जांच की और पैरा लीगल वॉलंटियर्स को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा समाज के कमजोर वर्गों व जरूरतमंदों को समय पर निःशुल्क कानूनी सहायता सुनिश्चित करना है। सीजेएम ने केंद्रों पर आने वाले आगंतुकों और उनकी शिकायतों के लिए बनाए गए रजिस्टर को अपडेट रखने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें बताया कि यदि किसी व्यक्ति को न्याय पाने में आर्थिक या अन्य किसी कारण से परेशानी हो रही है, तो वह सीधे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नारनौल कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

नारनौल। निरीक्षण करती सीजेएम नीलम कुमारी। फोटो: हरिभूमि

ड्राइवर का बेटा बना कस्टम इंस्पेक्टर

नारनौल। गांव पवेरा निवासी अंकित चौधरी ने एसएससी सीजीएल परीक्षा उत्तीर्ण की है, जिस पर उसे कस्टम विभाग में इंस्पेक्टर पद पर चयन प्राप्त करने का मौका मिला है। उनकी इस

उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है। अंकित चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय विशेष रूप से अपने नाना जयराम लांबा (निवासी ढाणा, राजस्थान) को दिया। उन्होंने बताया कि नाना का मार्गदर्शन और प्रेरणा उनकी सफलता का सबसे बड़ा आधार रहा। साथ ही उन्होंने अपने पिता सरजीत और माता सरोज देवी का भी आभार व्यक्त किया। बता दें कि अंकित के पिता पेशे से ड्राइवर हैं, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर उनका पालन-पोषण किया।

अटेली में ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, तेज रफ्तार और पटाखा बुलेट पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अटेली

अटेली में ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान अटेली के नए एवं पुराने बस स्टैंड पर वाहनों की सघन जांच की गई और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान किए गए इस अभियान के दौरान बिना हेलमेट, शबिना कागजात और अन्य ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई इस अभियान की खास बात यह रही कि तेज रफ्तार और पटाखा आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिलों पर विशेष ध्यान दिया गया। अटेली महाविद्यालय के आसपास आए दिन इस तरह की शिकायतें सामने आ रही थी, जहां कुछ युवक तेज गति से बाइक दौड़ाते हुए पटाखा जैसी आवाज निकालकर आम लोगों को परेशान करते थे। जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ऐसे बाइक चालकों को मौके पर ही रुकवाया और उनके चालान काटे। इसके साथ ही वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया। उन्हें बताया गया कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना दुर्घटनाओं को न्योता देता है और इससे उनकी जान के साथ-साथ अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। इस मौके पर जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है और आमजन का सहयोग इसमें अत्यंत आवश्यक है।

मंडी अटेली। तेज रफ्तार से बुलेट चलाने वालों के चालान करते हुए ट्रैफिक इंचार्ज। फोटो: हरिभूमि

किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन सीएम के नाम जेजेपी ने सौंपा ज्ञापन

■ लघु सचिवालय में मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जननायक जनता पार्टी के किसान सेल ने जिला प्रधान राजकुमार खातोद के नेतृत्व में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान बेमौसमी बरसात से खराब हुई फसलों के मुआवजे की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके साथ ही किसानों ने फसल की राशि को परिवार पहचान पत्र में न जोड़ने, बारिश से खराब फसल को सरकारी खरीद में शामिल करने और मंडियों में आ रही गेटपास की समस्याओं को तुरंत हल करने की मांग की।इसके अलावा बायोमैट्रिक सिस्टम को बंद करने और मंडी में फसल रखने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराने की भी मांग रखी। उन्होंने कहा कि मंडी में टीनशेड खाली करवाए जाएं, ताकि किसान अपनी उपज सुरक्षित रख सकें, किसानों के लिए पीने का पानी, खाने की व्यवस्था व छाया की उचित व्यवस्था की जाए। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की।

नारनौल। नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते जेजेपी कार्यकर्ता।

गांव के नाम से स्थापित होंगे लाइफटाइम अचीवमेंट व एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी अवार्ड

अभिनेता स्व. सतीश कौशिक की जयंती पर पैतृक गांव में हुआ स्मृति समारोह

■ राजेन्द्र सिंह नम्बरदार ने स्व. सतीश कौशिक बचपन के किस्से सुनाए व कहा की वे जमीन जुड़े हुए व्यक्ति थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मशहूर अभिनेता, फिल्म निर्माता, निर्देशक व पटकथा लेखक स्वर्गीय सतीश कौशिक की जयंती पर उनके पैतृक गांव धनौन्दा में स्मृति समारोह आयोजित कर उन्हें याद किया गया। अभिनेता सतीश कौशिक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित समारोह में आसपास के ग्रामीणों व उनके प्रशंसकों ने उन्हें याद कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उनके बचपन के सहपाठी राजेन्द्र सिंह नम्बरदार ने की। प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने सतीश कौशिक के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित स्वर्गीय सतीश कौशिक के अनेक प्रशंसकों व ग्रामीणों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। नेताजी अतरलाल ने कहा कि सतीश कौशिक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एक ऐसे हरफनमौला कलाकार थे, जिन्होंने अभिनय, पटकथा लेखन, निर्देशन व सिनेमा के हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी।

उन्हें एक साथ कई भूमिकाएं निभाने की महारत हासिल थी। राजेन्द्र सिंह नम्बरदार ने उनके बचपन के किस्से सुनाते हुए कहा कि वे अपने गांव, अपने साथियों तथा गांव की परंपराओं से प्यार करते थे। वे अंतिम समय तक अपने गांव से जुड़े रहे। उन्होंने हरियाणा सरकार से कहकर गांव में बड़ा खेल स्टेडियम बनवाया तथा गांव के पुराने ठाकुर जी मंदिर के जीर्णोद्धार में सहयोग दिया। कैलाश सेठ ने सतीश कौशिक को याद करते हुए कहा कि वे ऊंचाइयों पर पहुंचकर भी जमीन से जुड़े हुए इंसान थे। विभिन्न मंचों पर गर्व से खुद को महेन्द्रगढ़ जिला के धनौन्दा गांव का मूल निवासी बताते थे।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनके नाम पर अभिनेता सतीश कौशिक लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड व अभिनेता सतीश कौशिक एक्स्ट्राऑर्डिनरी अवार्ड स्थापित तथा शुरू करने का निर्णय लिया, जो अगले साल से शिक्षा, संस्कृति, साहित्य, कला व सिनेमा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाएगा।

नारनौल। स्व. सतीश कौशिक को नमन करते नेताजी अतरलाल व अन्य। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राजेन्द्र सिंह नम्बरदार, देवेन्द्र नम्बरदार अगिहार, भूपेन्द्र सिंह, डॉ. मुकेश, ओमप्रकाश यादव, राकेश यादव, कैलाश सेठ, कृष्ण सिंह फोरमैन, धीरज, जसमेर, मीरसिंह वैद्य, पवन प्रजापत, प्रोफेसर नवीन जांगड़ा, परमजीत कौशिक, सुभाशचंद यादव आदि उपस्थित थे।

16 से 30 अप्रैल तक नागरिक स्व-गणना के तहत पोर्टल पर भर सकते हैं जानकारी

जनगणना-2027: जिले में बनाए 1900 ब्लॉक, 150 मकानों पर एक गणनाकार

एक मई से 30 मई तक एन्यूमरेटरों की ओर से की जाएगी हाउस लिस्टिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जनगणना-2027 के लिए जिले में 1900 ब्लॉक बनाए गए है, जिनमें एक ब्लॉक पर एक एन्यूमरेटर नियुक्त किया गया है। प्रत्येक ब्लॉक में एन्यूमरेटर यानि गणनाकार की ओर से 150 मकानों का आंकड़ा एकत्रित किया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जनगणना-2027 का उद्देश्य देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का सही आकलन करना है, इसके लिए इस बार नागरिकों को स्व-गणना यानि सेल्फ-एन्यूमरेटर का विकल्प भी दिया गया है। स्व-गणना के लिए 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक का समय निर्धारित किया गया है। इस दौरान नागरिक मोबाइल एप या वेब पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी खुद भी भर सकेंगे। इसके उपरांत 1 मई से 30 मई तक एन्यूमरेटर की ओर से हाउस लिस्टिंग की जाएगी। डीसी मीणा सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जनगणना-2027 की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनगणना प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए स्व-गणना पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि आंकड़ों की शुद्धता बनी रहे और आमजन अपनी सुविधानुसार विवरण भर सकें। उन्होंने बताया कि जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय है। इसे अन्य किसी के साथ साझा भी नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि एक मई से 30 मई तक केंद्र सरकार की ओर से नामित एन्यूमरेटर ही घर-घर यह कार्य करेंगे, जिनके पास एक वैद्य पहचान पत्र भी होगा, जिस पर क्यूआर कोड भी दर्शाया गया है। नागरिक वेरिफिकेशन के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर एन्यूमरेटर की जानकारी भी पता कर सकते है।

रेवाड़ी। जनगणना को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए डीसी अभिषेक मीणा। फोटो : हरिभूमि

खास बातें

- पहले चरण में एन्यूमरेटर अपने टैबलेट या मोबाइल एप से घर-घर की जानकारी दर्ज करेंगे
- डेटा सीएमएमए प्रणाली के जरिए तुरंत सत्यापित किया जा सकेगा

पहली बार पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रिया

जनगणना में कागजी फॉर्म और रजिस्टरों की जगह अब हाथ से चलने वाले उपकरण, जियो-टैगिंग मैपिंग टूल और एक केंद्रीकृत वेब बेस्ड प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा। यह भारत की पहली पूरी तरह डिजिटल जनगणना होगी। डीसी ने बताया कि जिले में 1900 ब्लॉक बनाए गए है, जिनमें एक ब्लॉक पर एक एन्यूमरेटर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक में एन्यूमरेटर की ओर से 150 मकानों का आंकड़ा एकत्रित किया जाएगा। यह डेटा सीएमएमए प्रणाली के जरिए तुरंत ट्रांसमिट, संकलित और सत्यापित किया जा सकेगा। जनगणना-2027 के पहले चरण में एन्यूमरेटर अपने टैबलेट या मोबाइल एप से घर-घर जाकर हाउस लिस्टिंग से संबंधित जानकारी दर्ज करेंगे।

33 सवालों की देनी होगी जानकारी

डीसी ने बताया कि जनगणना के पहले चरण में नागरिकों से 33 सवाल पूछे जाएंगे। इन 33 सवालों का उद्देश्य नागरिकों के जीवनस्तर, आवासीय सुविधाएं, परिवार की संरचना, और तकनीकी उपकरणों के उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त करना है। नागरिकों से पूछे जाने वाले सवालों में भवन संख्या, जनगणना घर संख्या, जनगणना घर के फर्श की प्रमुख सामग्री, जनगणना घर की दीवार की प्रमुख सामग्री, जनगणना घर की छत की प्रमुख सामग्री, जनगणना घर का उपयोग, जनगणना घर की स्थिति, परिवार में लोगों की संख्या, परिवार में निवास करने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, परिवार के मुखिया का लिंग, क्या परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य से संबंधित है, घर किराये का है या खुद का, आवासीय कमरों की संख्या, परिवार में रहने वाले विवाहित दंपतियों की संख्या, पीने के पानी का मुख्य स्रोत, पीने के पानी के स्रोत की उपलब्धता, प्रकाश व्यवस्था का मुख्य स्रोत, शौचालय की उपलब्धता, शौचालय का प्रकार, अपशिष्ट जल निकासी व्यवस्था, स्नान सुविधा की उपलब्धता, रसोईघर तथा एलपीजी-पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता, खाना पकाने के लिए प्रयुक्त मुख्य ईंधन, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट की उपलब्धता, लैपटॉप-कंप्यूटर, टेलीफोन-मोबाइल फोन, साइकिल-मोटरसाइकिल-कार और परिवार में उपभोग किया जाने वाला मुख्य अनाज व मोबाइल नंबर शामिल है।

नागरिकों से सेल्फ डेटा भरने का आह्वान

डीसी अभिषेक मीणा ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज निभाएं और निर्धारित समय सीमा में अपनी जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर राष्ट्र के विकास की सही रूपरेखा तैयार करने में प्रशासन का सहयोग करें। इस मौके पर सीटीएम जितेन्द्र कुमार, डीआरओ प्रदीप देशवाल व डीडीपीओ एचपी बंसल मौजूद थे।

खबर संक्षेप

विवेकानंद पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने धूमधाम से मनाया बैसाखी का त्योहार

रेवाड़ी। लाखनौर स्थित विवेकानंद पब्लिक स्कूल में बैसाखी पर्व व डा. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक एडवोकेट सुधीर यादव ने किया। इस अवसर पर अध्यापकों व विद्यार्थियों ने भाषण के माध्यम से बैसाखी पर्व के बारे में जानकारी दी तथा डा. भीम राव अंबेडकर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए भारत के संविधान को निर्मित करने में उनकी भूमिका से अवगत कराया। विद्यार्थियों ने पंजाबी लोक गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया तथा लघु नाटिका के मध्यम से 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में हुए हत्याकांड के घटनाक्रम को दर्शाया। विद्यालय के निदेशक ने विद्यार्थियों को बैसाखी पर्व के बारे में बताते हुए इससे जुड़ी उत्तर भारत के किसानों की भावनाओं को व्यक्त किया।

बच्चों ने लघु नाटिका के माध्यम से बताया बैसाखी का सांस्कृतिक महत्व

रेवाड़ी। दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में सोमवार को बैसाखी पर्व और भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कविता पाठ, लोक नृत्य, समूह गायन और लघु नाटिका के माध्यम से बैसाखी के सांस्कृतिक महत्व और संविधान निर्माता डा. अंबेडकर के जीवन मूल्यों को प्रस्तुत किया। बच्चों की पंजाबी लोक नृत्य भांगड़ा व गिद्धा की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने कहा कि बैसाखी नई फसल के आगमन और खुशहाली का प्रतीक है, वहीं अंबेडकर जयंती हमें समता, न्याय और शिक्षा के अधिकार के प्रति जागरूक करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को बाबा साहेब के आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

नंद सरोवर पर समता एवं सम्मान कार्यक्रम आज, तैयारी में जुटे

रेवाड़ी। संविधान निर्माता डा. भीम राव आंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को नंद सरोवर पर समता एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एक कदम मानवता की ओर संस्था की ओर से शहर के ऐतिहासिक नंद सरोवर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में रिटायर्ड आईएएस अशोक गर्ग शिरकत करेंगे। संस्था के प्रधान राकेश भार्गव ने कहा कि समानता, स्वतंत्रता व स्वाभिमान के प्रतीक बाबा साहेब का जीवन और सिद्धांत सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समानता और आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति व समाजसेवी एमपी गोयल करेंगे।

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर आज प्रतिभाओं को करेंगे सम्मानित, 10 बजे कार्यक्रम

रेवाड़ी। माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की ओर से अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को प्रातः 10 बजे आजाद नगर स्थित अंबेडकर भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि वन, पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री डा.बनवारी लाल करेंग, जबकि विशिष्टातिथि के रूप में महंत लालदास महाराज उढ़ोदास मंदिर जैनाबाद उपस्थित रहेंगे। मंत्री के निजी प्रवक्ता हरिन्द्र सिंह यादव ने बताया कि कार्यक्रम में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार के अलावा पूर्व मंत्री जसवंत सिंह, पूर्व विधायक रामवीर सिंह, पूर्व विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व आईएएस आरएन पूनिया, डा. कामराज संधु तथा डा. राजकुमारी राजसी भी शिरकत करेंगे।

सत्संग भवन चौधरीवाड़ा में धूमधाम से मनाया जाएगा मां बगलामुखी जन्मोत्सव

रेवाड़ी। शहर के मौहल्ला चौधरीवाड़ा स्थित महात्मा शीतलदास सत्संग भवन में मां पीतांबरा बगलामुखी जन्मोत्सव एवं प्रकटीकरण दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। महंत दुगार्दास महाराज ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 23 अप्रैल को सुबह 11:15 बजे गणेश पूजन एवं सुंदरकांड पाठ के साथ होगा। इसके उपरांत दोपहर 2 बजे से शाम 6:30 तक श्रीराम धुन एवं हरि-कीर्तन होगा। वहीं शाम 7 बजे से रात्रि तक पंचकुंडीय दिव्य महायज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा, जिसका समापन 24 अप्रैल को सुबह 10:15 बजे मां बगलामुखी जन्मोत्सव के साथ होगा। इसके उपरांत प्रातः 11:30 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा। महंत ने बताया कि 10 महाविद्याओं में से एक मां बगलामुखी जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित पंचकुंडीय अनुष्ठान में शहर की अनेक महान विभूतियां आहुति देने के लिए पहुंचेंगी।

एनएमएमएस व बुनियाद परीक्षा में सफल छात्रा साइकिल भेंट कर किया सम्मानित

बावल। राजकीय माध्यमिक विद्यालय हरचंदपुर में एनएमएमएस व बुनियाद परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल की छात्रा स्नेहा को बुनियाद व एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया गया। परीक्षा पास करने पर हरियाणा सरकार की ओर से 1000 रुपये मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। गांव नैचाणा निवासी नवीन यादव की प्रेरणा से उनकी भतीजी अभिव्यक्ति ने छात्रा को प्रोत्साहन स्वरूप साइकिल भेंट की। गांव हरचंदपुर के सरपंच साहिल कुमार ने छात्रा को 1100 रुपये प्रोत्साहन राशि और विद्यालय स्टाफ ने भी 1100 रुपये की राशि भेंट की। इस अवसर पर मुख्य अध्यापक सत्यवान सिंह ने बताया कि विगत वर्षों में भी विद्यालय के छात्र साहिल कुमार, निर्भय व सोनाली ने बुनियाद परीक्षा उत्तीर्ण की थी। विद्यालय में सरवन कुमार व अनीता यादव की ओर से बच्चों को मार्गदर्शन दिया जाता है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत,एसएमसी सदस्य और पीटीआई युद्धवीर सिंह, राजेश कुमार व विद्यार्थियों सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

सेवा स्तंभ ने किया बाबा साहेब और फुले को नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डा. भीम राव आंबेडकर पार्क एवं लाइब्रेरी में सेवा स्तंभ एवं धम्म भूमि की ओर से डा. अंबेडकर और ज्योतिबा फूले जयंती संयुक्त रूप से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान भगत सिंह बौद्ध ने की। मंच संचालन एडवोकेट राजकुमार जलवा और आरपी सिंह दहिया ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मीनारायण एसडीएम फिरोजपुर झिरका, विशिष्ट अतिथि के तौर पर दिलीप सिंह कटारिया रिटायर्ड चीफ मैनेजर केनरा बैंक रोहतक, एडवोकेट रामअवतार सिंह यादव, अमित यादव पूर्व जिला पार्षद, मनोज सैनी प्रधान सैनी सभा, निहारिका प्रवीण चौधरी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर आयुष्मान टीआर भास्कर महासचिव प्रचार संकल्प भूमि ट्रस्ट बड़ोदरा गुजरात उपस्थित थे। कार्यक्रम में हजरस प्रधान सुमेर सिंह,रमेश अहरोदिया, माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था प्रधान बुद्धराम पंवार, रामपाल मेहरा, रविदास मंदिर कमेटी से प्रवीण चौधरी, आवाज फाउंडेशन से रिटायर्ड सूबेदार मेजर सत्य नारायण सांभरिया, राम सिंह आफरिया, सेवा स्तंभ से आचार्य कांशीराम खींची, होशियार सिंह अहरोदिया, आरके बलवारिया आदि मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय बाल महोत्सव 22 जिलों के 1280 बच्चों ने मचाया धमाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सोमवार को हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चंडीगढ़ के तत्वावधान में जिला बाल कल्याण परिषद् की ओर से मॉडल टाउन स्थित बाल भवन में राज्य स्तरीय बाल महोत्सव का शानदार आगाज किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन के समूह नृत्य तृतीय व चतुर्थ वर्ग, एकल नृत्य तृतीय व चतुर्थ वर्ग, पोस्टर मेकिंग द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्ग, स्केचिंग ऑन-द-स्पॉट द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्ग, पेट्रीओटिक ग्रुप सॉन्ग द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ वर्ग, बैस्ट ड्रामेबाज प्रथम व द्वितीय वर्ग तथा क्विज कॉन्टेस्ट तृतीय व चतुर्थ वर्ग की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अभिषेक मीणा उपायुक्त एवं प्रधान, जिला बाल कल्याण परिषद तथा विशिष्ट अतिथि डा. सुषमा गुप्ता मानद महासचिव हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सरोज मलिक वरिष्ठ बाल कल्याण अधिकारी चंडीगढ़, कुश्मेंद्र यादव मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी फरीदाबाद, कमलेश शास्त्री मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी गुरुग्राम, विपिन शर्मा सेवानिवृत्त जिला बाल कल्याण अधिकारी नारनौल, राजेन्द्र दलाल जिला बाल कल्याण अधिकारी नारनौल, रिपुदमन गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य, विनयशील गोयल कार्यकारिणी सदस्य व दीपा भारद्वाज आजीवन सदस्य उपस्थित थे।

रेवाड़ी। राज्य स्तरीय बाल महोत्सव का शुभारंभ करते डीसी अभिषेक मीणा, बाल महोत्सव में ग्रुप डांस की प्रस्तुति देती टीम तथा सोलो डांस की प्रस्तुति देती छात्रा।

प्रतिभा का उत्साह व जोश से प्रदर्शन करना चाहिए

डीसी मीणा ने कहा कि बच्चों को अपनी प्रतिभा का पूरी उत्साह एवं जोश से प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जिला बाल कल्याण अधिकारी व उनकी टीम के कुशल प्रबंधन तथा बाल भवन में चल रही अन्य गतिविधियों की सराहना की। बच्चों के लिए चार स्टेज बनाए गए है। मानद महासचिव डा. सुषमा गुप्ता कहा कि सभी बच्चे बाल कल्याण परिषद के मंच का पूरा-पूरा लाभ उठाए और अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

सम्मान उप चिकित्सा अधीक्षक डा. इंदरजीत यादव को मास्टर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में मिला गोल्ड

दीनबंधू सर छोटूराम विवि में राज्यपाल ने किया सम्मानित

- जिला झज्जर के गांव मुंडाहेडा के साधारण किसान परिवार से संबंध रखते हैं डा. इंदरजीत
- वर्ष 2020-22 बैच में विवि में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी के नागरिक अस्पताल में उप चिकित्सा अधीक्षक डा. इंदरजीत यादव को दीनबंधू सर छोटूराम विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल सीम घोष की ओर से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन मुख्य अतिथि तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिला झज्जर के गांव मुंडाहेडा के एक साधारण किसान परिवार से संबंध रखने वाले डा. इंदरजीत ने यूनिवर्सिटी में वर्ष 2020 में मास्टर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में प्रवेश लिया। उन्होंने वर्ष 2020-22 बैच में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने वर्ष 2011 में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में डेंटल सर्जन के रूप में अपनी सेवाएं प्रारंभ कीं और विभिन्न जिलों में कार्य करते हुए सदैव सेवा भावना, अनुशासन एवं जिम्मेदारी के साथ मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं दी। वर्ष 2019 से 2024 तक वे हरियाणा सिविल डेंटल सर्जन एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष भी रहे और कोविड-19 महामारी के दौरान भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के पश्चात डा. यादव को सिविल अस्पताल नारनौल तथा वर्ष 2023 में जिला नागरिक अस्पताल रेवाड़ी में उप चिकित्सा अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया, जहां वे वर्तमान में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों में बेहतर प्रबंधन, सीमित संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रोफेशनल हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में प्रशिक्षित डॉक्टरों की आवश्यकता आज पहले से अधिक महसूस की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती जटिलताओं के बीच अब अस्पतालों का संचालन केवल चिकित्सीय दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि कुशल प्रबंधन, संसाधन नियोजन, मानव संसाधन प्रबंधन एवं गुणवत्ता नियंत्रण के आधार पर किया जाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। डा. इंदरजीत यादव इस दिशा में एक जीवंत उदाहरण हैं, जिन्होंने अपने प्रशासनिक कौशल, समर्पण और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण से यह सिद्ध किया है कि पेशेवर प्रबंधन के माध्यम से सीमित संसाधनों में भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। उनके प्रयासों से अस्पताल की कार्यप्रणाली में सुधार, संसाधनों का बेहतर उपयोग, सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि तथा मरीजों की संतुष्टि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है। डा. यादव ने कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करना उनके लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी माता, स्व. पिता, गुरुजनों और सहयोगियों को दिया है। उन्होंने विशेष रूप से अपनी धर्मपत्नी डा. नीलम यादव एवं अपने पुत्र विवान यादव का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके समक्ष यह सम्मान प्राप्त करना इस उपलब्धि को और भी भावनात्मक बनाता है।

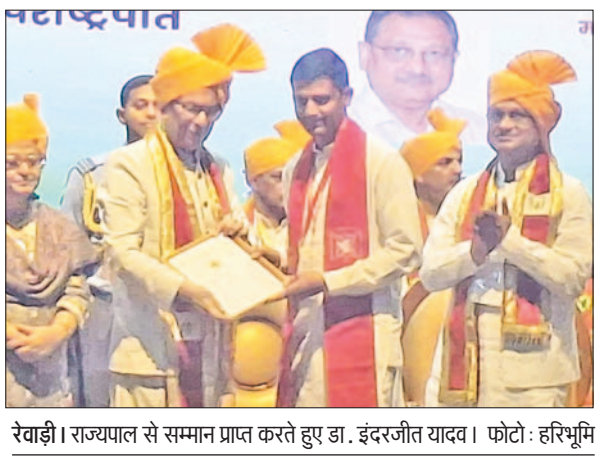

रेवाड़ी। राज्यपाल से सम्मान प्राप्त करते हुए डा. इंदरजीत यादव। फोटो : हरिभूमि

अब 15 मई को आंध्रप्रदेश में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप में प्रतिनिधित्व करेंगी

नंदिनी यादव ने सब-जूनियर स्टेट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

रेवाड़ी। रामपुरा निवासी नंदिनी यादव ने बहादुरगढ़ में हुई सब-जूनियर स्टेट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। आरपीएस स्कूल की दसवीं कक्षा की 14 वर्षीय छात्रा नंदिनी यादव ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लेते हुए 210 किलोग्राम वजन उठाकर प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। नंदिनी के पिता देवेंद्र यादव ने बताया कि इस मुकाबले में 7 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें नंदिनी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से गोल्ड मेडल हासिल किया। इस सफलता के बाद अब नंदिनी 15 मई को आंध्रप्रदेश में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस उपलब्धि पर अनेक सामाजिक संगठनों, स्कूल स्टाफ और खेल प्रमियों ने नंदिनी को बधाई दी है।